सच कहने की ताकत · साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 27 MARCH TO 02 APRIL 2026 • VOLUME 36 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"सफलता तेज़ भागने वालों को नहीं, लगातार चलने वालों को मिलती है।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	28°	16°
शनिवार	29°	17°
रविवार	32°	20°
सोमवार	34°	21°
मंगलवार	29°	17°
बुधवार	32°	19°
वीरवार	34°	21°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

भारत के पास है पर्याप्त पेट्रोल-डीजल व एलपीजी, अफवाहों पर न करें भरोसा

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय ने कहा- अगले 60 दिनों तक का वास्तविक स्टॉक मौजूद

नई दिल्ली. पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा है कि भारत में पेट्रोलियम और एलपीजी सप्लाई की स्थिति पूरी तरह से सुरक्षित और कंट्रोल में है। सभी रिटेल फ्यूल आउटलेट्स के पास काफी सप्लाई है। देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे जानबूझकर गलत जानकारी फैलाने के लिए चलाए जा रहे शरारती, कैंपेन से गुमराह न हों।

पीआईबी की प्रेस रिलीज में बताया गया है कि भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर और पेट्रोलियम उत्पादों का 5वां सबसे बड़ा निर्यातक है, जो 150 से अधिक देशों को रिफाइन ईंधन की आपूर्ति करता है। चूंकि भारत दुनिया का शुद्ध निर्यातक है, इसलिए घरेलू पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता संरचनात्मक रूप से सुनिश्चित है। देशभर में सभी एक लाख से अधिक खुदरा ईंधन आउटलेट खुले हैं और बिना किसी रुकावट के ईंधन का वितरण कर रहे हैं। सरकार ने बताया कि भारतीय तेल कंपनियों द्वारा अगले 60 दिनों के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति का अनुबंध पहले ही किया जा चुका है। भारत के पास कुल आरक्षित क्षमता 74 दिनों की है और वास्तविक स्टॉक कवर अभी लगभग 60 दिनों का है। इसमें कच्चा तेल, उत्पाद और गुफाओं में समर्पित रणनीतिक भंडर भी शामिल है, जबकि हम मिडिल ईस्ट संकट के 27वें दिन पर हैं। कच्चे तेल की अगले 2 महीने की खरीद भी सुरक्षित कर ली गई है। सरकार ने क्लीयर किया है कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय द्वारा जारी एलपीजी नियंत्रण आदेश के बाद, घरेलू रिफाइनरी उत्पादन में 40% की बढ़ोतरी हुई है, जिससे दैनिक एलपीजी उत्पादन लगभग 80 टीएमटी की कुल दैनिक आवश्यकता के मुकाबले 50 टीएमटी यानी हमारी जरूरत का 60% से अधिक हो गया है। तेल कंपनियां हर दिन 50 लाख से ज्यादा सिलेंडर की सफलतापूर्वक डिलीवरी कर रही हैं। उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट में ऑर्डर देने के कारण सिलेंडर की मांग 89 लाख सिलेंडर तक पहुंच गई थी और अब फिर से घटकर 50 लाख सिलेंडर पर आ गई है। इसके अलावा, अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से 800 टीएमटी एलपीजी की खेप पहले ही तय की जा चुकी है। देश के 22 आयात टर्मिनलों के जरिए आपूर्ति लगातार जारी है। तेल कंपनियां हर दिन 50 लाख से ज्यादा सिलेंडर वितरित कर रही हैं और मांग अब सामान्य स्तर पर लौट आई है।

उधर, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को सस्ता, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प होने के कारण बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत की गैस उत्पादन क्षमता 92 एमएमएससीएमडी है, जबकि कुल मांग 191 एमएमएससीएमडी है। पिछले कुछ वर्षों में शहर गैस वितरण नेटवर्क और घरेलू कनेक्शनों में तेजी से विस्तार हुआ है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि पीएनजी को बढ़ावा देना किसी संकट का संकेत नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति का हिस्सा है।

पंजाब विश्वविद्यालय में गोलीबारी की घटना में शामिल मुख्य शूटर मुठभेड़ के बाद काबू

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन के दौरान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में छात्र नेता जशनप्रीत सिंह जवंड़ा पर हुई गोलीबारी की घटना में शामिल मुख्य शूटर को .32 बोर की देसी पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी यहां पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। आरोपी की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ जस निवासी खेड़ी नौध सिंह, कोटला मसूद, फतेहगढ़ साहिब के रूप में हुई है। पिस्तौल के अलावा पुलिस टीमों ने एक मैगजीन, दो जिंदा कारतूस और चार खाली खोखे भी बरामद किए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी डॉनी बल्ल/बंबीहा गैंग का एक अहम सदस्य है। उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हमला गैंग के इशारे पर किया गया था। डीजीपी ने कहा कि इस मामले के आगे-पीछे के संबंधों को स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी है।

एडीजीपी एजीटीएफ प्रमोद बान ने बताया कि एजीटीएफ पंजाब के इंस्पेक्टर विक्रमजीत सिंह और एसआई अमनदीप सिंह की समर्पित टीम द्वारा एएसआई हरभजन सिंह (जिला क्राइम सेल) और एएसआई प्रदीप सिंह (एजीटीएफ चंडीगढ़) सहित घटना वाले दिन से ही चंडीगढ़, फतेहगढ़ साहिब और अमलोह क्षेत्र में लगातार सुरागों की जांच की जा रही थी। एडीजीपी ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान आरोपी को अमलोह-पातड़ा रोड पर रोका गया, जहां उसने पुलिस टीम पर गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपी घायल हो गया और उसे तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया। इस संबंध में एफआईआर नंबर 72 दिनांक 26-03-2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109, 132 और 221 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत थाना अमलोह, जिला फतेहगढ़ साहिब में दर्ज की गई है।

इजरायल द्वारा आईआरजीसी नेवी कमांडर अलीरेज़ा तंगसिरी की हत्या

यरूशलेम. इजरायली अधिकारी ने गुरुवार को जेरूसलम पोस्ट को बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के नौसेना कमांडर अलीरेज़ा तंगसिरी बंदर अब्बास में हुए हमले में मारे गए। टाइम्स ऑफ इज़राइल ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि तंगसिरी होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के लिए जिम्मेदार थे। बंदर अब्बास होर्मुज जलडमरूमध्य के किनारे स्थित है, जो फारस की खाड़ी को वैश्विक समुद्री मार्गों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है और शांति काल में दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और प्राकृतिक गैस का परिवहन करता है।

ईरान ने भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान एवं इराक जैसे "मित्र देशों" को वाणिज्यिक नौवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यह जानकारी दी। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का परिवहन होता है।

तकनीकी खराबी के बाद दिल्ली वापस लौटी एयर इंडिया की लंदन जाने वाली फ्लाइट

नई दिल्ली. गुरुवार को लंदन जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट को यात्रा के दौरान संभावित तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद दिल्ली वापस लौटना पड़ा। पायलटों द्वारा सुरक्षा उपाय के तौर पर वापस लौटने का निर्णय लेने से पहले विमान कई घंटों से हवा में था। फ्लाइट एआई111 एयरबस ए350-900 विमान द्वारा संचालित की जा रही थी। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, उड़ान के दौरान संभावित तकनीकी खराबी के संकेत मिलने के बाद एहतियात के तौर पर राष्ट्रीय राजधानी लौटने का निर्णय लिया गया।

विमान ने दिल्ली से सुबह लगभग 6 बजे उड़ान भरी थी और दोपहर लगभग 12:30 बजे सुरक्षित रूप से वापस उतर गया। अधिकारियों ने अभी तक घटना के समय विमान में सवार यात्रियों की सही संख्या की पुष्टि नहीं की है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया। एयरलाइन ने कहा कि वह असुविधा को कम करने और यात्रियों के लिए जल्द से जल्द लंदन की आगे की यात्रा की व्यवस्था करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

आईपीएल 2026 के दूसरे फेज का शेड्यूल जारी, 12 स्टेडियम में होंगे 50 मुकाबले

नई दिल्ली. बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 के दूसरे चरण का शेड्यूल जारी कर दिया है। इससे पहले बोर्ड ने 12 अप्रैल तक का शेड्यूल जारी किया था जिसमें 20 मुकाबले खेले जाने थे। अब आगे के मैचों के लिए कार्यक्रम सामने आया है जिसमें 50 मैच शामिल हैं। दूसरे चरण की शुरुआत 13 अप्रैल से होगी, जो 12 शहरों में खेले जाएंगे। बता दें कि, आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने वाला है जिसके पहले फेज के लिए बोर्ड ने शेड्यूल का ऐलान कर दिया था। हालांकि, प्लेऑफ के मुकाबलों के लिए

अब तक कार्यक्रम सामने नहीं आया है। दूसरे चरण में कुल 8 डबल हेडर मुकाबले होंगे, जहां फैंस को क्रिकेट का डबल डोज मिलने वाला है। दूसरे फेज की शुरुआत 13 अप्रैल से होगी और आखिरी मुकाबला 24 मई को खेला जाएगा। इस मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीम आमने-सामने होंगी।

आम चुनाव और उपचुनाव 2026: 400 करोड़ रुपये से अधिक जब्ती

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव और 6 राज्यों में उपचुनाव के लिए 15 मार्च, 2026 को होने वाले चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया है। आयोग ने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आयोग ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 5,173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए गए हैं ताकि शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के भीतर किया जा सके। 26 फरवरी को इलेक्ट्रॉनिक जब्ती

प्रबंधन प्रणाली (ईएसएमएस) के सक्रिय होने के बाद से, 25 मार्च, 2026 तक, विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में कई प्रवर्तन एजेंसियों के समन्वित दृष्टिकोण के माध्यम से 408.82 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध वस्तुएं जब्त की गई हैं, जिनमें 17.44 करोड़ रुपये नकद, 37.68 करोड़ रुपये (16.3 लाख लीटर) की शराब, 167.38 करोड़ रुपये की ड्रग्स, 23 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और 163.30 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अन्य मुफ्त वितरण वाली वस्तुएं शामिल हैं।

देर होने से पहले सुधर जाओ, अंजाम अच्छा नहीं होगा : ट्रंप

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरानी वार्ताकार एक समझौते के लिए भीख मांग रहे थे जबकि उनके अनुसार देश सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह हो चुका था, और उन्होंने तेहरान के इस सार्वजनिक बयान को खारिज कर दिया कि वह केवल वाशिंगटन के प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी वार्ताकार बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे समझौता करने की भीख मांग रहे हैं, जो उन्हें करना ही चाहिए क्योंकि सैन्य रूप से उनका पूरी तरह सफाया हो चुका है और उनके वापसी की कोई संभावना नहीं है, फिर भी वे सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि वे केवल हमारे प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 14 और 15 मई को चीन की यात्रा करेंगे, जहां वह चीन के अपने समकक्ष शी चिनफिंग के साथ पुनर्निर्धारित शिखर वार्ता में भाग लेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय एवं आवास 'व्हाइट हाउस' ने यह जानकारी दी।

पंजाब भारत का अग्रणी राज्य बनने की ओर लगातार बढ़ रहा है : अरोड़ा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने सराभा नगर में एक नुक्कड़ बैठक के दौरान पंजाब सरकार का चार साल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। जन सभा को संबोधित करते हुए संजीव अरोड़ा ने कहा कि पंजाब तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और जल्द ही "रंगला पंजाब" बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य ने पिछले चार वर्षों में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व प्रगति हासिल की है, जिसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की गई थी और न ही पिछले 70 वर्षों में ऐसा हुआ। कैबिनेट मंत्री ने यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा पंजाब को सड़क सुरक्षा, शिक्षा और कारोबार करने में आसानी के क्षेत्रों में नंबर एक राज्य का दर्जा दिया गया है। आज पूरे देश में चर्चा है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के असाधारण प्रयासों के कारण पंजाब किस तरह देश का नंबर एक राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

आरसीएफ कपूरथला में पहली वंदे भारत ट्रेन का निर्माण 16 कोच की आधुनिक ट्रेन का काम अंतिम चरण में

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

देश में स्वदेशी रेल निर्माण को एक नई गति देते हुए रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला ने अपनी पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का सफल निर्माण किया है। उन्नत एवं पुनर्परिभाषित 16 कोचों वाली यह ट्रेन अंतिम चरण में है और चालू माह के अंत तक संचालन के लिए सौंपे जाने को तैयार है। यह उपलब्धि देश में आधुनिक ट्रेन निर्माण क्षमता के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित पंजाब मीडिया दौरे पर आए छत्तीसगढ़ के 14 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला का दौरा किया। इस दौरान पत्रकारों ने कोच निर्माण की पूरी प्रक्रिया को नजदीक से देखा और यह समझा कि किस प्रकार कच्चे स्टील से एक आधुनिक यात्री कोच तैयार किया जाता है। मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद

करते हुए उप महाप्रबंधक श्री अमन कुमार ने वंदे भारत कोचों के नवीनतम संस्करण में शामिल तकनीकी नवाचारों और सुधारों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहली बार वंदे भारत ट्रेन का निर्माण आरसीएफ कपूरथला में किया गया है, जिससे उत्पादन क्षमता का विस्तार हुआ है।

इससे पहले इसका डिजाइन और निर्माण इंटीग्रल कोच फैक्टरी चेन्नई में किया गया था। यह पहल इंडियन रेलवेज की निर्माण क्षमता को और सुदृढ़ करेगी। उन्होंने बताया कि आरसीएफ कपूरथला प्रति वर्ष लगभग 2,200 से 2,300 कोचों का निर्माण करता है, जो रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार विभिन्न प्रकारों (वैरिएंट्स) में तैयार किए जाते हैं। वंदे भारत का मूल डिजाइन इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में विकसित किया गया था, जिसे अब आरसीएफ कपूरथला और मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली जैसे उन्नत कारखानों के साथ साझा किया गया है, ताकि अनुभव और फीडबैक के आधार पर निरंतर सुधार किए जा सकें। उन्नत वंदे भारत कोचों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कुमार ने बताया कि इसमें कवच जैसी अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली, क्रैशवर्दी डिजाइन तथा उन्नत अग्नि पहचान एवं शमन प्रणाली लगाई गई है। विशेष रूप से, ट्रेन के शौचालयों में स्मोक डिटेक्टर सेंसर लगाए गए हैं, जो धुआं या आग की स्थिति का तुरंत पता लगाकर अलर्ट देते हैं, जिससे समय रहते कार्रवाई संभव होती है और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। यह ट्रेन 160 किलोमीटर प्रति घंटे की परिचालन गति (डिजाइन गति 180 किलोमीटर प्रति घंटा) तक चलने में सक्षम है और इसमें बेहतर त्वरण एवं मंदन क्षमता है।

इसके अतिरिक्त, इसमें उन्नत हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग प्रणाली, आधुनिक इंटीरियर, एर्गोनोमिक सीटिंग, मोबाइल चार्जिंग सुविधा, उन्नत शौचालय, पैंट्री व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली तथा स्वचालित दरवाजे जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर्ष 1988 में स्थापित रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला आज एक विकसित टाउनशिप के रूप में भी उभरी है, जहां लगभग 5,600 कर्मचारी कार्यरत हैं और लगभग 4,000 आवासीय क्वार्टर उपलब्ध हैं। परिसर में केंद्रीय विद्यालय एवं पंजाब सरकार के विद्यालयों सहित शैक्षणिक संस्थान, एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड, फुटबॉल स्टेडियम, स्विमिंग पूल तथा 18-होल गोल्फ कोर्स जैसी खेल सुविधाएं और बैंक सहित अन्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ के पत्रकारों से की मुलाकात

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने छत्तीसगढ़ से आए 14 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल से आत्मीय भेंट की। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित अंतर-राज्यीय अध्ययन यात्रा के अंतर्गत यह प्रतिनिधिमंडल पंजाब प्रवास पर है। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने पत्रकारों के साथ संवाद करते हुए राज्य में नशामुक्ति अभियान, सीमापार तस्करी की चुनौतियों तथा सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से जानकारी साझा की। संवाद के दौरान राज्यपाल महोदय ने छत्तीसगढ़ के पत्रकारों से बस्तर क्षेत्र की नक्सल प्रभावित स्थिति के बारे में भी विशेष रुचि लेकर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक परिस्थितियों, विकास कार्यों तथा सुरक्षा व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के बारे में प्रश्न पूछे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानने का प्रयास किया कि नक्सल समर्पण के बाद पूर्व उग्रवादियों के परिवारों और परिजनों को मुख्यधारा में शामिल करने की प्रक्रिया किस प्रकार आगे बढ़ रही है और समाज में उन्हें किस तरह स्वीकार किया जा रहा है। पत्रकारों ने राज्यपाल महोदय को जानकारी दी कि बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है तथा विकास कार्यों के विस्तार के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच भी बेहतर हो रही है।

असम : चाय बागानों से काज़ीरंगा तक, प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम

Travelling

पूर्वोत्तर भारत का खूबसूरत राज्य असम अपनी हरियाली, चाय बागानों, वन्यजीवों और समृद्ध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। ब्रह्मपुत्र नदी, काज़ीरंगा के गैंडे और बिहू त्योहार यहां की पहचान हैं। यह राज्य प्रकृति प्रेमियों और यात्रियों के लिए एक अनोखा और यादगार अनुभव प्रदान करता है।

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

असम–पूर्वोत्तर भारत का वह खूबसूरत राज्य, जहां प्रकृति, संस्कृति और इतिहास एक साथ मिलकर एक अद्भुत अनुभव रचते हैं। जब भी कोई यात्री यहां कदम रखता है, उसे ऐसा महसूस होता है जैसे वह किसी चित्रकार की बनाई जीवंत पेंटिंग के अंदर आ गया हो।

असम की पहचान सबसे पहले उसकी हरियाली और विशाल चाय बागानों से होती है। असम के चाय बागान सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर हैं। सुबह की हल्की धूप में जब चाय की पत्तियों पर ओस की बूंदें चमकती हैं, तो यह दृश्य किसी जादू से कम नहीं लगता। यहां आने वाले पर्यटक अक्सर चाय बागानों में घूमते हैं और चाय बनाने की प्रक्रिया को करीब से देखने का अनुभव लेते हैं।

असम का एक और बड़ा आकर्षण है काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, जो एक सींग वाले गैंडे के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल न केवल गैंडों का घर है, बल्कि यहां हाथी, बाघ और कई दुर्लभ पक्षी भी पाए जाते हैं। जंगल सफारी के दौरान जब पर्यटक खुले मैदान में घूमते हुए गैंडों को देखते हैं, तो यह अनुभव उनके जीवन का यादगार पल बन जाता है।

अगर बात करें संस्कृति की, तो असम अपने रंगीन त्योहारों और लोक परंपराओं के लिए भी जाना जाता है। यहां का सबसे प्रसिद्ध त्योहार बिहू है, जो साल में तीन बार मनाया जाता है। बिहू के दौरान लोग पारंपरिक कपड़े पहनते हैं, नृत्य करते हैं और लोकगीत गाते हैं। इस समय पूरे राज्य में उत्साह और खुशी का माहौल होता है, जिसे देखकर हर पर्यटक इस संस्कृति का हिस्सा बनना चाहता है।

असम की राजधानी गुवाहाटी भी पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र है। यहां स्थित कामाख्या मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसा यह मंदिर धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सुंदरता का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। शाम के समय जब सूर्यास्त की लालिमा नदी पर पड़ती है, तो यह दृश्य मन को शांति और सुकून से भर देता है।

इसके अलावा, असम की नदियां, पहाड़ और वन क्षेत्र एडवेंचर प्रेमियों के लिए भी किसी स्वर्ग से कम नहीं हैं। ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज़ की सैर, पहाड़ियों में ट्रैकिंग और गांवों में होमस्टे का अनुभव–ये सभी चीजें असम को एक संपूर्ण पर्यटन स्थल बनाती हैं।

अंत में कहा जा सकता है कि असम केवल एक राज्य नहीं, बल्कि एक अनुभव है–जहां प्रकृति की खूबसूरती, संस्कृति की गहराई और लोगों की सादगी मिलकर एक यादगार यात्रा का निर्माण करती है। जो भी एक बार यहां आता है, वह इस धरती की खूबसूरती को हमेशा अपने दिल में संजोकर ले जाता है।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

LIFESTYLE

स्वस्थ शरीर, शांत मन : बेहतर लाइफस्टाइल से बदल सकती है पूरी जिंदगी

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में हर व्यक्ति सफलता के पीछे भाग रहा है, लेकिन इस दौड़ में वह अक्सर अपनी सेहत और मानसिक शांति को नजरअंदाज कर देता है। असंतुलित दिनचर्या, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव जीवन को कठिन बना देते हैं। ऐसे में सही लाइफस्टाइल अपनाना बेहद जरूरी है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद जैसे छोटे-छोटे बदलाव न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि मन को भी सुकून देते हैं और जीवन को बेहतर बनाते हैं।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

आज की आधुनिक जिंदगी में लोग जितनी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, उतनी ही तेजी से उनका लाइफस्टाइल भी बदलता जा रहा है। पहले जहां लोग प्राकृतिक और सरल जीवन जीते थे, वहीं आज की पीढ़ी भागदौड़, तनाव और असंतुलन से भरी जिंदगी जी रही है। इसका सीधा असर उनकी सेहत और मानसिक स्थिति पर पड़ रहा है।

लाइफस्टाइल का मतलब सिर्फ पहनावे या दिखावे से नहीं होता, बल्कि यह हमारे पूरे जीवन जीने के तरीके को दर्शाता है। हम क्या खाते हैं, कितना सोते हैं, कितना काम करते हैं और अपने लिए कितना समय निकालते हैं–ये सभी चीजें मिलकर हमारे लाइफस्टाइल को बनाती हैं।

आज के समय में सबसे बड़ी समस्या है अनियमित दिनचर्या। देर रात तक मोबाइल चलाना, सुबह देर से उठना और बिना नाश्ते के दिन की शुरुआत करना आम बात हो गई है। यह आदतें धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करती हैं और कई बीमारियों का कारण बनती हैं। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी दिनचर्या को संतुलित बनाएं।

एक स्वस्थ लाइफस्टाइल की शुरुआत होती है सही खान-पान से। जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड की जगह ताजे फल, सब्जियां और पौष्टिक आहार को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। पानी का पर्याप्त सेवन भी बहुत जरूरी है, क्योंकि यह शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है।

इसके अलावा, शारीरिक गतिविधि भी लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रोजाना कम से कम 30 मिनट का व्यायाम या योग करने से शरीर फिट रहता है और मन भी शांत रहता है। जो लोग नियमित रूप से व्यायाम करते हैं, उनमें तनाव कम होता है और उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। आज के समय में तनाव और चिंता आम हो गए हैं। काम का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं और व्यक्तिगत समस्याएं लोगों को मानसिक रूप से थका देती हैं। ऐसे में ध्यान (Meditation), योग और खुद के लिए समय निकालना बेहद जरूरी है।

डिजिटल युग में एक और बड़ी समस्या है स्क्रीन टाइम। लोग घंटों मोबाइल और कंप्यूटर पर समय बिताते हैं, जिससे उनकी आंखों और दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि हम डिजिटल डिटॉक्स करें और कुछ समय प्रकृति के बीच बिताएं।

नींद भी एक अच्छे लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पर्याप्त नींद न लेने से शरीर थका हुआ महसूस करता है और कार्यक्षमता कम हो जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक वयस्क को रोजाना 7-8 घंटे की नींद लेनी चाहिए।

सामाजिक जीवन भी हमारे लाइफस्टाइल को प्रभावित करता है। परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने से मानसिक सुकून मिलता है और रिश्ते मजबूत होते हैं। यह हमें तनाव से दूर रखने में मदद करता है।

इसके साथ ही, सकारात्मक सोच भी बहुत जरूरी है। नकारात्मक विचार हमें कमजोर बनाते हैं, जबकि सकारात्मक सोच हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, हमें हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए।

अंत में, यह कहा जा सकता है कि एक अच्छा लाइफस्टाइल कोई कठिन चीज नहीं है, बल्कि यह छोटे-छोटे बदलावों से शुरू होता है। अगर हम अपनी दिनचर्या में थोड़ा सुधार करें, खुद के लिए समय निकालें और अपने शरीर और मन का ध्यान रखें, तो हम एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। याद रखें, जिंदगी एक बार मिलती है–इसे बेहतर तरीके से जीना हमारे अपने हाथ में है।

डिस्क्लेमर : इस लेख में किए गए दावे यूट्यूब वीडियो और इंटरनेट पर मिली जानकारी पर आधारित हैं। जालंधर ब्रीज इसकी सत्यता और सटीकता की जिम्मेदारी नहीं लेता है।

टिंडे में चाहिए देसी स्वाद? ग्रेवी वाले बनाने के लिए देखिए जायकेदार रेसिपी

गर्मियों में आने वाले टिंडे का नाम सुनते बहुत से लोगों की भूख गायब हो जाती है। लेकिन अगर आप इसे यहां बताई रेसिपी से बनाएंगे तो हर कोई उंगलियां चाट कर खाएगा। यहां सीखिए देसी स्वाद वाले जायकेदार टिंडे बनाने का तरीका।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

भले ही टिंडे का नाम सुनकर लोग अक्सर नाक मुंह सिकौड़ने लगते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं की गर्मियों में आने वाली ये सब्जी बहुत सारे पोष्क तत्वों से भरपूर होती है। इस सब्जी में फैट, विटामिन, प्रोटीन, फाइबर भरपूर मात्रा में होती है। इसकी सब्जी को कई तरीकों से बना सकते हैं। बहुत से लोग टिंडे की भरवां सब्जी बनाते हैं जिसे बच्चे खाना पसंद नहीं करते हैं। अगर आप देसी स्वाद वाले टिंडे बनाना चाहते हैं तो यहां सीखिए ग्रेवी वाले टिंडे बनाने की रेसिपी।

टिंडे बनाने के लिए सामग्री

टिंडे बनाने के लिए आपको चाहिए देसी टिंडे, चार मीडियम साइज प्याज, दो टमाटर, तीन से चार हरी मिर्च, एक इंच अदरक, हरा धनिया, नमक स्वादानुसार, लाल मिर्ची पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर, तेज पत्ता, दो से तीन काली मिर्च, एक साबुत लाल मिर्च, एक बड़ी इलायची, जीरा और सरसों का तेल।

टिंडे बनाने की विधि

टिंडे बनाने के लिए सबसे पहले टिंडों को धोएं और छील लें। अब बीच से हल्का कट लगाएं और आंच पर कुछ देर के लिए भून लें। ऐसा करने के बाद टिंडों को एक तरफ रख लें और फिर मसाला तैयार करें। इसके लिए एक कढ़ाई में थोड़ा तेल गर्म करें। अब इसमें जीरा डालें और प्याज को अच्छे से भून लें। फिर इसमें हरी मिर्च और टमाटर डालें, टमाटर के साथ थोड़ा नमक भी डालें और अच्छे से पकाएं। सब टमाटर गल जाएं तो आंच बंद करें और फिर इसे ठंडा होने दें और पीस लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें तेज पत्ता, दो से तीन काली मिर्च, एक साबुत लाल मिर्च, एक बड़ी इलायची, जीरा डालें और अच्छे से भून लें। फिर इसमें प्याज टमाटर वाला पेस्ट डालें। अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें मसाले डालें। अच्छे से तेल ऊपर आने दें और फिर इसमें टिंडे डालें। अच्छे से मिक्स करें और फिर इसमें गरम मसाला और हरा धनिया डालें। टिंडे की सब्जी तैयार करें और सर्व करें।

डिजिटल युग में पेरेंटिंग: बच्चों को सही दिशा देना क्यों है जरूरी

जालंधर ब्रीज (फीचर) . आज के दौर में पेरेंटिंग केवल बच्चों की परवरिश तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह एक जिम्मेदारी, समझ और धैर्य का संतुलन बन चुकी है। बदलते समय के साथ बच्चों की सोच, जरूरतें और चुनौतियां भी बदल गई हैं, इसलिए माता-पिता को भी अपने तरीके बदलने की जरूरत है।

PARENTING

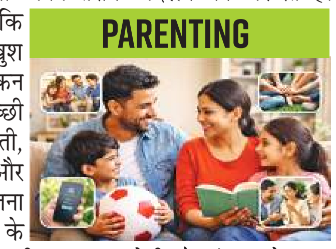

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा सफल, खुश और आत्मनिर्भर बने। लेकिन इसके लिए सिर्फ अच्छी शिक्षा ही काफी नहीं होती, बल्कि सही मार्गदर्शन और भावनात्मक समर्थन भी उतना ही जरूरी होता है। बच्चों के साथ मजबूत रिश्ता बनाने की शुरुआत होती है संवाद से। जब माता-पिता बच्चों की बात ध्यान से सुनते हैं, उनकी भावनाओं को समझते हैं, तो बच्चे खुद को सुरक्षित और आत्मविश्वासी महसूस करते हैं।

आज की डिजिटल दुनिया में बच्चों का अधिक समय मोबाइल और इंटरनेट पर बीतता है। यह एक बड़ी चुनौती बन गई है। ऐसे में माता-पिता का काम केवल रोकना नहीं, बल्कि सही दिशा दिखाना है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि तकनीक का सही उपयोग कैसे किया जाए और कब उससे दूरी बनाना जरूरी है।

अनुशासन भी पेरेंटिंग का एक अहम हिस्सा है, लेकिन इसका मतलब सख्ती नहीं होता। बच्चों को नियमों के पीछे का कारण समझाना चाहिए, ताकि वे खुद जिम्मेदारी लेना सीखें। जब बच्चों को प्यार और समझ के साथ सही-गलत का फर्क बताया जाता है, तो वे बेहतर निर्णय लेना सीखते हैं। इसके अलावा, बच्चों की रुचियों को पहचानना भी बहुत जरूरी है। हर बच्चा अलग होता है–किसी को पढ़ाई में रुचि होती है, तो किसी को खेल, संगीत या कला में। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपने के बजाय उनकी प्रतिभा को पहचानें और उसे आगे बढ़ाने में मदद करें। आज के समय में पढ़ाई का दबाव भी बच्चों के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। प्रतियोगिता के इस दौर में बच्चे अक्सर तनाव और चिंता का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में माता-पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें, बल्कि उन्हें प्रोत्साहित करें और असफलता से सीखने का साहस दें। परिवार का माहौल भी बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा असर डालता है। अगर घर में प्यार, सम्मान और सकारात्मकता का माहौल होगा, तो बच्चे भी वैसी ही सोच विकसित करेंगे। माता-पिता को अपने व्यवहार से बच्चों के लिए उदाहरण बनना चाहिए, क्योंकि बच्चे वही सीखते हैं जो वे देखते हैं। अंत में, यह कहा जा सकता है कि पेरेंटिंग कोई परफेक्ट प्रक्रिया नहीं है। इसमें गलतियां भी होती हैं, लेकिन हर दिन कुछ नया सीखने का मौका भी मिलता है। अगर माता-पिता प्यार, धैर्य और समझ के साथ बच्चों का साथ दें, तो वे न केवल अच्छे इंसान बनेंगे, बल्कि एक मजबूत और खुशहाल समाज का हिस्सा भी बनेंगे।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

सुनने में अजीब, लेकिन असरदार: लहसुन-प्याज वाला दूध देगा अपच में राहत!

Health

गर्म दूध में लहसुन और प्याज मिलाने का यह अजीब सा नुस्खा पाचन के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह देसी उपाय पेट की समस्याओं को कम करने और गट हेल्थ सुधारने में मदद कर सकता है।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

घरेलू नुस्खों की दुनिया में कई ऐसे उपाय होते हैं, जो सुनने में अजीब लगते हैं लेकिन उनके फायदे चौंकाने वाले हो सकते हैं। गर्म दूध में लहसुन और प्याज मिलाने का यह नुस्खा भी कुछ ऐसा ही है, जिसे कई पारंपरिक तरीकों में पाचन सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। आजकल खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से लोगों को गैस, ब्लोटिंग और अपच जैसी समस्याएं होने लगी हैं। ऐसे में यह आसान और नेचुरल उपाय गट हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लहसुन और प्याज में मौजूद पोषक तत्व आंतों के लिए फायदेमंद माने जाते हैं, जबकि गर्म दूध शरीर को आराम देने का काम करता है। सही तरीके से इसका सेवन करने पर यह पाचन को सपोर्ट कर सकता है।

कैसे तैयार करें यह नुस्खा?

इस उपाय को बनाने के लिए एक कप गर्म दूध लें। उसमें एक पतली स्लाइस लहसुन की और एक स्लाइस प्याज की डालें। इसे करीब 10 मिनट तक ढककर रख दें, ताकि दोनों के गुण दूध में अच्छे से मिल जाएं। इसके बाद इसे छानकर धीरे-धीरे पिएं।

लहसुन के फायदे : लहसुन में सल्फर कंपाउंड्स पाए जाते हैं, जो गट हेल्थ के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाने और पेट में मौजूद खराब बैक्टीरिया को कम करने में मदद कर सकता है।

प्याज है जरूरी : प्याज में प्रीबायोटिक फाइबर होते हैं, जो अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। यह आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

दूध का रोल : गर्म दूध शरीर को आराम देता है और पेट को शांत करता है। यह मिश्रण को पीने में थोड़ा स्मूद बनाता है और कुछ लोगों के लिए यह आरामदायक भी महसूस होता है।

पाचन में कैसे करता है मदद?

लहसुन, प्याज और दूध का यह कॉम्बिनेशन गट बैलेंस को सुधारने में मदद कर सकता है। यह ब्लोटिंग (पेट फूलना) को कम करने और पाचन को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

अगर आपको लहसुन या प्याज से एलर्जी है, तो इस नुस्खे को अपनाने से बचें। कुछ लोगों को दूध से भी दिक्कत हो सकती है, इसलिए इसे लेने से पहले अपने शरीर की जरूरत को समझें।

क्या यह नुस्खा हर किसी के लिए सही है?

यह नुस्खा हर किसी के लिए जरूरी नहीं है। कुछ लोगों को इसका स्वाद पसंद नहीं आएगा या उनके शरीर पर इसका अलग असर हो सकता है। इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही आजमाएं।

डिस्क्लेमर : यह नुस्खा भले ही अजीब लगे, लेकिन इसमें मौजूद पोषक तत्व पाचन के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। अगर आप प्राकृतिक तरीके से गट हेल्थ सुधारना चाहते हैं, तो इसे एक बार ट्राई कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए अन्य डॉक्टर से उचित सलाह ले सकते हैं।

पंजाब और हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों ने सायरंग रेलवे स्टेशन का दौरा किया; मिज़ोरम की परिवहन क्रांति के साक्षी बने

• **जालंधर ब्रीज** . आइज़ोल

पत्र सूचना कार्यालय, जालंधर द्वारा आयोजित मीडिया टूर के तहत पंजाब और हिमाचल प्रदेश के पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने आज सायरंग रेलवे स्टेशन का दौरा किया। मीडिया टूर के पहले दिन प्रतिनिधिमंडल को बइरबी-सायरंग नई रेलवे लाइन के परिवर्तनकारी प्रभाव को देखने का अवसर मिला। पत्रकारों का स्वागत रेलवे अधिकारियों की एक टीम ने किया, जिसमें ट्रैफिक इंस्पेक्टर गौरव यादव और संजय चंदा तथा स्टेशन मास्टर गुड्डू कुमार और मलय नंदी शामिल थे।

बइरबी-सायरंग रेलवे लाइन परियोजना मिज़ोरम के लिए एक ऐतिहासिक सपने के पूरा होने का प्रतीक है। सितंबर, 2025 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आधिकारिक तौर पर इस 51.38 किमी लंबी रेल लाइन का उद्घाटन किया था। इस रेल मार्ग में 142 पुल शामिल हैं—55 बड़े और 87 छोटे—साथ ही 5 रोड ओवर-ब्रिज और 8 रोड अंडर-ब्रिज भी हैं।

इस परियोजना की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक पुल संख्या 196 (पुराना)/144 (नया) है। यह पुल नदी के तल से 114 मीटर की आश्चर्यजनक ऊंचाई तक पहुँचता है। कुतुब मीनार से 42 मीटर ऊँचा यह पुल वर्तमान में भारतीय रेलवे नेटवर्क का सबसे ऊँचा पियर ब्रिज (pier bridge) है। 160 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल पहाड़ी क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी लाने के लिए आवश्यक तकनीकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

वर्तमान में, यह ट्रैक लंबी दूरी की और क्षेत्रीय सेवाओं का समर्थन करता है, जिनमें आइज़ोल -दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (आनंद विहार टर्मिनल के माध्यम से), आइज़ोल -कोलकाता एक्सप्रेस, आइज़ोल -गुवाहाटी एक्सप्रेस और सायरंग-सिलचर पैसेंजर रेल शामिल हैं। ये सेवाएँ मिज़ोरम के लोगों को सुरक्षित, कुशल और लागत प्रभावी यात्रा विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे दशकों का भौगोलिक अलगाव समाप्त हो गया है और राज्य सीधे राष्ट्रीय रेल ग्रिड से जुड़ गया है।

यह रेलवे कनेक्शन केवल बुनियादी ढांचा मात्र नहीं है; यह एक जीवन रेखा है जो मिज़ोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांति लाने के लिए तैयार है। स्थानीय किसानों और व्यवसायों को बड़े राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करके, यह रेल लिंक आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। यह स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा तक पहुंच को भी बढ़ाता है और पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करता है। इसके अलावा, यह लाइन खाद्यान्न और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं की विश्वसनीय और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करती है, जिससे क्षेत्रीय सुगमता और लॉजिस्टिक दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

जल का उत्सव, जन भागीदारी का संकल्प

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस के अवसर पर मैं सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला है—और इसका संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

सी आर पाटील
(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री हैं।)

जल हमारे जीवन, पारिस्थितिकी तंत्र और अर्थव्यवस्था की धुरी है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या और पशुधन भारत में निवास करते हैं, जबकि हमारे पास वैश्विक मीठे जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत ही उपलब्ध है। शहरीकरण, बढ़ती मांग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बीच जल का प्रभावी प्रबंधन आज एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुका है।

इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने जल प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। जल शक्ति मंत्रालय की स्थापना से जल से जुड़े विभिन्न विभागों का एकीकरण हुआ है, जिससे योजनाओं के बेहतर और समन्वित क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह दृष्टिकोण जल के पूरे चक्र को साथ लेकर चलता है। एक ओर संरक्षण और भूजल पुनर्भरण पर बल दिया जा रहा है, वहीं बांधों और जलाशयों के माध्यम से भंडारण क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। नदी जोड़ परियोजनाएँ संतुलित जल-वितरण की दिशा में प्रयास कर रही हैं। जल जीवन मिशन और कमांड एरिया विकास के आधुनिकीकरण से जल की उपलब्धता बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है, जबकि नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जल गुणवत्ता सुधारने का कार्य आगे बढ़ रहा है। साथ ही, अनुसंधान, नवाचार और जन जागरूकता के माध्यम से भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने पर भी जोर दिया गया है।

इस पूरे प्रयास का मूल भाव है- जन भागीदारी। प्रधानमंत्री जी ने जलसंचय को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। सरकार दिशा और संसाधन उपलब्ध करा सकती है, लेकिन स्थायी परिवर्तन तभी संभव है जब समाज स्वयं इसमें भागीदार बने। जल जीवन मिशन इसी सोच का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल पहुंचाना है। आज 15.8 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की सुविधा पहुंच चुकी है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस मिशन का एक बड़ा प्रभाव महिलाओं के जीवन में दिखाई देता है। पानी लाने के श्रम में कमी आई है, स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और शिक्षा तथा आजीविका में उनकी भागीदारी बढ़ी है। ग्राम पंचायतों और स्थानीय जल एवं स्वच्छता समितियों की भूमिका से समुदाय का जुड़ाव मजबूत हुआ है, वहीं फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता की निगरानी में महिलाओं की भागीदारी ने स्थानीय स्वामित्व को और सुदृढ़ किया है। नमामि गंगे कार्यक्रम ने गंगा और उसकी सहायक नदियों में जल गुणवत्ता सुधारने और पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निर्मल और अविरल गंगा के साथ-साथ "अर्थ गंगा" और "जन गंगा" जैसी पहलें नदी संरक्षण को लोगों के जीवन और आजीविका से जोड़ती हैं।

आयकर विभाग ने चंडीगढ़ में शहीदी दिवस का आयोजन किया

शहीदों के परिजनों का सम्मान; सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दी गई श्रद्धांजलि

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, उत्तर-पश्चिम क्षेत्र, अशोक कुमार सरोहा के संरक्षण में आयकर विभाग द्वारा एनआईटीटीटीआर सभागार, सेक्टर-26, चंडीगढ़ में शहीदी दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया।इस अवसर पर विभाग द्वारा क्षेत्र के उन शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। मेजर अनुज राजपूत, कैप्टन सतीश चंद्र सहगल, कैप्टन रमेश चंदर शर्मा, लांस नायक हरचंद तथा लांस नायक विक्रम सिंह के अदम्य साहस एवं बलिदान को गहरी श्रद्धा एवं कृतज्ञता के साथ स्मरण किया गया।

कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य आयकर आयुक्त, पंचकूला एवं शिमला, विदिशा कालरा, आई.आर.एस.; महानिदेशक आयकर (अन्वेषण), वत्सला झा, आई.आर.एस.; मुख्य आयकर आयुक्त, अमृतसर, डॉ. जी. एस. फणी किशोर, आई.आर.एस.; तथा मुख्य आयकर आयुक्त (ओएसडी), कोमल जोगपाल, आई.आर.एस. शामिल थीं।

शहीदों के परिजनों को विभाग की ओर से सम्मान एवं कृतज्ञता के प्रतीक स्वरूप विशेष रूप से निर्मित स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सतलुज पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देशभक्ति गीतों की समूह एवं एकल प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके अतिरिक्त, चंडीगढ़ के प्रख्यात नाट्य समूह "मंथन" द्वारा भगत सिंह एवं अन्य स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर को चिह्नित करते हुए, पूर्वाह्न में आयकर भवन, चंडीगढ़ एवं पंचकूला में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। ये शिविर पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (निफा), राकेश कुमार सांगड़ के नेतृत्व में, तथा शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का सफल संचालन पूनम राय, आई.आर.एस. द्वारा किया गया तथा इसमें विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। यह आयोजन राष्ट्रभक्ति एवं बलिदान की भावना को समर्पित एक गरिमामय एवं स्मरणीय श्रद्धांजलि के रूप में संपन्न हुआ।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सीयू पंजाब साहित्य महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया

अपने संबोधन में राज्यपाल कटारिया ने साहित्य की समाज निर्माण में महत्ता पर बल देते हुए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण साहित्य सृजन के लिए प्रेरित किया

• **जालंधर ब्रीज** . बठिंडा

पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू पंजाब) में आयोजित दो दिवसीय चौथे वार्षिक अंग्रेज़ी साहित्यिक महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया तथा उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। यह महोत्सव अंग्रेज़ी विभाग द्वारा गुरु काशी विश्वविद्यालय, महाराजा रणजीत सिंह पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय और बाबा फरीद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

अपने संबोधन में राज्यपाल कटारिया ने वर्ष 2009 में स्थापना के बाद सीयू पंजाब की उल्लेखनीय प्रगति की सराहना करते हुए इसकी 17 वर्षों की यात्रा को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने समाज निर्माण और युवा पीढ़ी को प्रेरित करने में साहित्य और शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे साहित्यिक उत्सव रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं और विचारों की अभिव्यक्ति एवं संवाद के लिए सशक्त मंच प्रदान करते हैं।

साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि साहित्य न केवल समाज का दर्पण है, बल्कि उसे दिशा भी देता है। भारतीय साहित्यिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण जैसे ग्रंथों ने समाज को आदर्शों और मूल्यों की समझ प्रदान की है। कवियों और लेखकों ने समय-समय पर युवाओं को जागरूक किया और उन्हें भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि गुरुओं की शिक्षाओं और आर्यभट्ट जैसे महान विद्वानों की विरासत से समृद्ध भारत की सभ्यतागत धरोहर आज भी प्रगति के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने युवाओं से गुणवत्तापूर्ण साहित्य सृजन में योगदान देने का आह्वान करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करेंगे।

कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने राज्यपाल के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा समकालीन चुनौतियों पर दिए गए विचार जागरूकता उत्पन्न करते हैं और समाधान की दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत कौशल विकास पर केंद्रित इस आयोजन के लिए अंग्रेज़ी विभाग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सहयोग, पारस्परिक सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं।

उद्घाटन सत्र के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में बाबा फरीद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन प्रो. गुरमीत सिंह धालीवाल तथा एमआरएसपीटीयू के कुलसचिव डॉ. गुरिंदर पाल सिंह बराड़ द्वारा पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा तैयार विशेष पत्रिका का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर सम कुलपति प्रो. किरण हजारिका ने राज्यपाल एवं अतिथियों का धन्यवाद करते हुए भारतीय आध्यात्मिक साहित्य की समरसता, शांति और सतत विकास के मूल्यों को स्थापित करने में भूमिका पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को फेस्ट की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अंग्रेज़ी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विपन पाल सिंह द्वारा स्वागत संबोधन एवं मुख्य अतिथि के परिचय से हुई, जबकि समापन धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिनेश बाबू पी. तथा प्रो. शाहिला ज़फ़र द्वारा किया गया।

साहित्यिक मेले के प्रथम दिवस के दौरान विभिन्न संवादात्मक सत्रों का आयोजन भी किया गया, जिनमें विशिष्ट वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। यह मेला विद्यार्थियों में साहित्यिक रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन और सहयोगात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ विद्वानों और प्रतिभागियों के बीच संवाद का सशक्त मंच प्रदान करता है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल

भारत के ओलंपिक सपनों की ओर एक मजबूत कदम

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़/जालंधर

भारत की खेल यात्रा अद्भुत विविधता से भरी हुई है। उत्तर-पूर्व के पहाड़ों से लेकर मध्य भारत के जंगलों तक, हमारे देश के हर कोने में प्रतिभा मौजूद है। खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत को अब आठ वर्ष हो चुके हैं, और इतने कम समय में यह एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में विकसित हो चुका है। युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल, बीच गेम्स और विंटर गेम्स जैसे विभिन्न आयामों के माध्यम से, खेलो इंडिया ने देशभर के युवा खिलाड़ियों की विविध प्रतिभाओं को पहचानने और उभारने में सफलता प्राप्त की है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल (केआईटीजी) का समावेश इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका पहला संस्करण 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3,000 खिलाड़ी भाग लेंगे। इन खेलों में सात पदक खेल शामिल होंगे—एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इन खेलों का आयोजन बस्तर क्षेत्र के जनजातीय बहुल जिलों, जो प्राचीन दंडकारण्य क्षेत्र का हिस्सा हैं, के साथ-साथ सरगुजा क्षेत्र, रायगढ़ और मानपुर जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। यह केवल एक और खेल प्रतियोगिता की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को व्यापक बनाते हुए हर खिलाड़ी तक अवसर पहुँचाना है—चाहे वह किसी भी भौगोलिक या सामाजिक पृष्ठभूमि से आता हो। सीधे शब्दों में कहें तो यह हाशिए पर पड़े खिलाड़ियों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है।

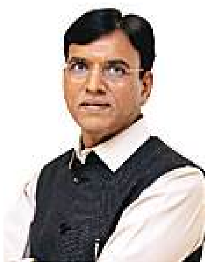

डॉ. मनसुख मांडविया
(केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने लंबे समय से देश को गौरवान्वित किया है। राजस्थान के महान तीरंदाज लिम्बा राम से लेकर झारखंड की तीरंदाजी स्टार दीपिका कुमारी तक, और अनेक हॉकी खिलाड़ियों से लेकर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू तक, उनकी उपलब्धियाँ लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। ये उदाहरण इन क्षेत्रों में निहित अपार संभावनाओं को दर्शाते हैं।

कई जनजातीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते रहे हैं। इन क्षेत्रों के युवाओं के लिए पहचान और विकास के अवसर सीमित रहे हैं। ऐसे में, इन क्षेत्रों में संगठित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने का कार्य करता है। यह अनिश्चितता को अवसर में और अलगाव को समावेशन में बदलने का प्रयास है।

वास्तव में, हमारे माननीय प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण—"खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत"—आज साकार हो रहा है। खेल आज एक सशक्त माध्यम और समान अवसर प्रदान करने वाला साधन बन चुका है, जो वंचित वर्गों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर देता है। जनजातीय क्षेत्रों में खेलो इंडिया का विस्तार इसी दृष्टि का स्वाभाविक विस्तार है और यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों का आयोजन स्थानीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा। इससे जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसंरचना का विकास और उन्नयन होगा, साथ ही स्थानीय कोच, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। स्कूलों और सामुदायिक संस्थानों को दैनिक जीवन में खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर एक स्थायी और समावेशी खेल संस्कृति विकसित हो सके। ये खेलो इंडिया जनजातीय खेल केवल एक बार आयोजित होने वाला आयोजन नहीं हैं, बल्कि इन्हें खेलो इंडिया के वार्षिक कैलेंडर में स्थायी स्थान दिया जाएगा। इससे देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों को निरंतर और नियमित मंच मिलेगा, जो उनके दीर्घकालिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक संस्करण के साथ ये खेल व्यापक खेलो इंडिया (इकोसिस्टम) पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेंगे। इस दृष्टि से, जनजातीय खेल केवल एक मंच नहीं, बल्कि एक समृद्ध खेल संसार में प्रवेश का द्वार हैं।

इन खेलों के माध्यम से हम प्रतिभाओं की पहचान और उनके विकास का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय कोच, उच्च प्रदर्शन निदेशक और भारतीय खेल प्राधिकरण के तकनीकी विशेषज्ञ इन खेलों में उपस्थित रहेंगे।

चयनित खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए भाखेप्रा केंद्रों में भेजा जाएगा, जिससे वे अपने खेल करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें।

जैसे-जैसे भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयासरत है, वैसे-वैसे प्रतिभाओं का दायरा बढ़ाना और भी आवश्यक हो जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से पश्चिम एशिया हालात पर की चर्चा

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आज अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प ने फोन किया।

दोनों नेताओं के बीच पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर विचारों का सार्थक आदान-प्रदान हुआ। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि भारत इस क्षेत्र में तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाली का समर्थन करता है।

प्रधानमंत्री ने होर्मुज़ स्ट्रेट को खुला, सुरक्षित और सुलभ बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि यह वैश्विक शांति, स्थिरता और आर्थिक कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दोनों नेता क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए जा रहे निरंतर प्रयासों के संबंध में एक-दूसरे के संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए।

एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा :

"राष्ट्रपति ट्रम्प का फोन आया और उनके साथ पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का सार्थक आदान-प्रदान हुआ। भारत इस क्षेत्र में तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाली का समर्थन करता है। पूरे विश्व के लिए यह आवश्यक है कि होर्मुज़ स्ट्रेट खुला, सुरक्षित और सुलभ बना रहे। हम शांति और स्थिरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के संबंध में निरंतर संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए।

अंतर-राज्यीय अवैध हथियार सप्लाई मॉड्यूल से जुड़े दो व्यक्ति गिरफ्तार, 10 पिस्तौल बरामद

गिरफ्तार किए गए आरोपी जर्मनी और अमेरिका से संचालित विदेशी अपराधियों के इशारे पर कर रहे थे काम: डीजीपी गौरव यादव

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/जालंधर

काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) जालंधर ने उत्तर प्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अंतर-राज्यीय अवैध हथियार सप्लाई मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। उनके कब्जे से 7.65 एमएम की 10 देसी पिस्तौल और 20 मैगजीन बरामद की गई हैं। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दलेश कुमार उर्फ सौरव कुमार उर्फ नन्नू निवासी पांदापुर, अलीगढ़ (यूपी) और अमित चाहर निवासी बसेरी चाहर, आगरा (यूपी) के रूप में हुई है। यह घटनाक्रम बीकेआई के दो कार्यकर्ताओं सुखविंदर उर्फ सन्नी और रावल को उनके विदेशी हैंडलर जस्सी कुलम के निर्देश पर बलाचौर के पास तीन ग्रेनेड और एक आईईडी खरीदने और रखने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के लगभग एक महीने बाद सामने आया। बाद में इसी आईईडी का इस्तेमाल हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुए विस्फोट में किया गया था। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि लगातार जांच के दौरान दोनों आरोपियों को मथुरा से गिरफ्तार किया गया। आरोपी दलेश कुमार उर्फ नन्नू की ग्रैंड विटारा कार से पांच पिस्तौल और 10 मैगजीन बरामद की गईं। उसके खुलासे के आधार पर मथुरा-पलवल हाईवे से पांच और पिस्तौल तथा 10 मैगजीन बरामद की गईं। इस तरह कुल 10 पिस्तौल और 20 मैगजीन बरामद हुईं।

डीजीपी ने बताया कि दोनों यूपी आधारित आरोपी जर्मनी और अमेरिका में सक्रिय विदेशी अपराधियों के इशारे पर काम कर रहे थे, जो पंजाब में आपराधिक गिरोहों को हथियार सप्लाई करते थे। उन्होंने आगे बताया कि ये दोनों आरोपी हथियार खरीदने के साथ-साथ विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर गढ़शंकर में एक ट्रैवल एजेंट के घर पर फिरौती के लिए फायरिंग की घटना में भी शामिल थे। इस संबंध में थाना एस.एस.ओ.सी. अमृतसर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 11, दिनांक 23 फरवरी को दर्ज की गई है।

पंजाब सरकार ने ऐतिहासिक फैसले लेकर हर क्षेत्र में किए क्रांतिकारी बदलाव : पवन कुमार टीनू

चेयरमैन पंजाब राज्य सहकारी खेतीबाड़ी विकास बैंक ने 'शानदार 4 साल भगवंत मान दे नाल' मुहिम के तहत लोगों के साथ किया सीधा संवाद

• **जालंधर ब्रीज.** आदमपुर/जालंधर

चेयरमैन पंजाब राज्य सहकारी खेतीबाड़ी विकास बैंक पवन कुमार टीनू ने कहा कि पंजाब सरकार ने प्रत्येक क्षेत्र में ऐतिहासिक फैसले लेकर क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के 4 साल पूरे होने पर चलाई जा रही मुहिम 'शानदार चार साल भगवंत मान दे नाल' के तहत यहां नहर कॉलोनी, आदमपुर में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए चेयरमैन पवन कुमार टीनू ने कहा कि सूबा सरकार ने सत्ता में आने से पहले लोगों से किए हर वादे को पूरा करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि मान सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे समेत अन्य प्रमुख क्षेत्रों की सूरत बदलकर रख दी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा डेरा सच्चखंड बल्लां के पास श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र बनाने का वादा भी जल्द पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र के लिए जमीन का काम पहले ही पूरा हो चुका है और लेआउट प्लान भी तैयार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट का निर्माण जल्द शुरू हो जाएगा।

टीनू ने कहा कि पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े सुधार किए हैं। आम आदमी क्लीनिकों के माध्यम से जहां लोगों को मुफ्त बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, वहीं पंजाब के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्रांति के तहत सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया गया। सरकार द्वारा जहां 'युद्ध नशे के विरुद्ध' मुहिम चलाकर नशे के कारोबारियों पर बड़े पैमाने पर शिकंजा कसा गया है, वहीं युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है।

एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की सप्लाई लगातार जारी, घबराने की जरूरत नहीं : डिप्टी कमिश्नर

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने आज कहा कि जिले में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की सरकारी सप्लाई लगातार जारी है और किसी को भी इस संबंध में घबराने की जरूरत नहीं है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर लगातार पेट्रोल और डीजल की सप्लाई सुनिश्चित बनाई जा रही है और लोगों को ठंडे दिमाग से काम लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में पैदा हुई स्थिति से संकट जरूर पैदा हुआ है लेकिन गैस और तेल लोगों को लगातार मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा तेल और गैस की सप्लाई पर लगातार नजरसानी की जा रही है ताकि लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत पेश न आए। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एल.पी.जी. गैस की कोई कमी नहीं होगी और व्यावसायिक कार्यों के लिए भी जरूरत अनुसार सप्लाई दी जा रही है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि व्यावसायिक एलपीजी सप्लाई संबंधी निर्धारित निर्देशों की पालना की जा रही है, जबकि मेडिकल और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं औद्योगिक कैंटीनों और अन्य व्यावसायिक संस्थानों को संतुलन बनाए रखने और जरूरी सेवाओं को प्रभावित न करने के लिए सीमित मात्रा में सप्लाई प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कुछ जगहों पर पेट्रोल पंपों पर कमी देखी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन सभी पेट्रोलियम कंपनियों के साथ लगातार तालमेल में है और स्थिति बिल्कुल ठीक है। आशिका जैन ने जिला वासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों में न आएं और जमाखोरी से बचें। उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन को भारत सरकार और पंजाब सरकार से समय-समय पर दिशा-निर्देश मिल रहे हैं और जिला प्रशासन सभी संबंधित कंपनियों के साथ तालमेल करके जरूरी कदम उठा रहा है।

पंजाब एवं चंडीगढ़ का राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना सम्मेलन मोहाली में सफलतापूर्वक सम्पन्न

• **जालंधर ब्रीज.** मोहाली

पंजाब एवं चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के लिए आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) सम्मेलन का समापन चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में भव्य समापन समारोह के साथ सफलतापूर्वक हुआ। यह सम्मेलन युवाओं की भागीदारी और सामुदायिक सेवा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस सम्मेलन में पंजाब एवं चंडीगढ़ के राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार विजेता, स्वयंसेवक एवं विभिन्न अधिकारीगण शामिल हुए। यह आयोजन संवाद, सहयोग तथा श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान का एक सशक्त मंच बना, जिसका उद्देश्य राष्ट्र निर्माण को नई दिशा देना रहा।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) आर. एस. बावा, सलाहकार, माननीय कुलाधिपति, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह युवाओं में जिम्मेदार नागरिकता के गुण विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में निःस्वार्थ सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करती है। उन्होंने संयुक्त राज्य स्तरीय सम्मेलन की पहल की सराहना करते हुए इसे पंजाब और चंडीगढ़ के बीच समन्वय एवं समग्र विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में सौर ऊर्जा प्रशिक्षण कक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) में सौर ऊर्जा प्रशिक्षण कक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कर्नल अजय कोहली, कमांडिंग ऑफिसर, 3 पंजाब बटालियन एनसीसी, लुधियाना तथा सूबेदार मेजर कर्नैल सिंह के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 मार्च 2026 से 26 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें 3 पंजाब बटालियन एनसीसी के 11 कैडेट्स ने सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान प्रदान करना तथा उनके व्यावहारिक कौशल को विकसित करना था, जिससे वे भविष्य में इस क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण के सफल समापन पर सभी प्रतिभागी कैडेट्स को उनके समर्पण, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय कैडेट कोर की कौशल विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा युवाओं के बीच नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह पहल भारत सरकार के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमिशन ने लाल रतन फर्नीचर मार्किट के व्यापारियों की समस्याएं सुनी

मीटिंगों का उदेश्य व्यापारियों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत बनाना : इंद्रवंश सिंह चड्ढा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमिशन ने लाल रतन फर्नीचर मार्किट एसोसिएशन के व्यापारियों के साथ एक इंटरैक्टिव मीटिंग सेशन आयोजित किया गया। इस सेशन के दौरान जिला ट्रेडर्स कमीशन के चेयरमैन इंद्रवंश सिंह चड्ढा ने व्यापारियों के मुद्दों को विस्तार से सुना। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद व्यापारियों की समस्याओं और मांगों को सुनना तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ बेहतर तालमेल बनाना है, ताकि व्यापारियों और प्रशासन के बीच संवाद और मजबूत हो सके। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा करने और उन्हें कारोबार करने के लिए अनुकूल माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधानसभा ट्रेडर्स कमीशन चेयरमैन सुमित शर्मा ने व्यापारियों की भारी भागीदारी के लिए उनका धन्यवाद किया। मीटिंग में विभिन्न विभागों के अधिकारी मनिंदर सिंह और अंकुर सयाल भी मौजूद रहे। यह पहल जहां कमीशन की व्यापारियों की समस्याओं पर बार-बार चर्चा और तुरंत कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, वहीं इस सेशन ने व्यापारियों को अपने मुद्दे खुलकर रखने का मौका दिया।

सरकार की नाकामियों और दोहरे मापदंडों की भाजपा एससी मोर्चा नेता कैंथ द्वारा निंदा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब सरकार की लगातार नाकामियों की कड़ी निंदा की है। वर्तमान सरकार न केवल पंजाब के लोगों के वास्तविक मुद्दों को हल करने में विफल रही है, बल्कि भ्रामक कथाओं, राजनीतिक नाटकबाजी और सिद्धांतों के स्थान पर सुविधा-आधारित शासन को बढ़ावा दे रही है। आम आदमी पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व के प्रभाव में पंजाब सरकार ने आर्थिक अस्थिरता, गिरती कानून-व्यवस्था तथा राज्य की सांस्कृतिक और सामाजिक संरचना पर मंडरा रहे खतरों जैसे गंभीर मुद्दों से जनता का ध्यान व्यवस्थित रूप से भटकाया है। जवाबदेह शासन देने के बजाय सरकार जनता को भ्रमित और गुमराह करने वाले प्रचार में लगी हुई है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा पंजाब के प्रदेश उपाध्यक्ष परमजीत सिंह कैंथ ने वर्तमान सरकार के कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। उन्होंने बताया कि खडूर साहिब के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा के मामले में—जिन्हें एक अनुसूचित जाति की महिला के साथ शारीरिक हिंसा और मानसिक उत्पीड़न का दोषी ठहराया गया—पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद राज्य सरकार ने कोई उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की। यह न्याय, संवैधानिक मूल्यों और वंचित वर्गों की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर गंभीर प्रश्न उठाता है।

इसके अतिरिक्त, सरकारी अधिकारी गगनदीप सिंह रंधावा से जुड़ा हालिया मामला प्रशासन के भीतर सत्ता के दुरुपयोग की चिंताजनक प्रवृत्ति को उजागर करता है। अवैध निर्देशों का पालन करने से इनकार करने पर उनके साथ कथित शारीरिक हमला और मानसिक उत्पीड़न प्रशासनिक नैतिकता और संस्थागत ईमानदारी के टूटने का संकेत देता है। इस मामले में कैबिनेट मंत्री लालजीत भुल्लर के खिलाफ कार्रवाई न होने से अधिकारियों में भय और असुरक्षा का माहौल बना, जिसके गंभीर परिणाम सामने आए।

पंजाब में आप सरकार राज्य की गरिमा और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में असफल रही है। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के लोगों से अपील करती है कि वे पिछले चार वर्षों में आप सरकार के प्रदर्शन की गंभीर समीक्षा करें। प्रशासनिक विफलताओं, दोहरे मापदंडों और संवैधानिक सिद्धांतों की अनदेखी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

नगर निगम होशियारपुर ने 8961 लाख रुपए का वार्षिक बजट किया पारित

शहर के विकास कार्यों को मिलेगी गति: मेयर सुरिंदर कुमार

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

मेयर सुरिंदर कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम होशियारपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 8961.00 लाख रुपए का वार्षिक बजट पारित किया गया है। इस संबंध में हाउस की एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर निगम कमिश्नर ज्योति बाला मट्टू ने विशेष रूप से उपस्थित रही। इसके अलावा सीनियर डिप्टी मेयर परवीन लता सैनी, डिप्टी मेयर रणजीत चौधरी सहित विभिन्न पार्षद एवं निगम अधिकारी बैठक में मौजूद रहे। मेयर ने बताया कि बैठक के दौरान वर्ष 2026-27 में संभावित आय और व्यय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस वर्ष नगर निगम को कुल 8961.00 लाख रुपए की आय होने का अनुमान है, जिसके तहत विभिन्न विकास कार्यों के लिए बजट निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि शहर में स्ट्रीट लाइटें लगाने एवं ट्यूबवेलों के रखरखाव के लिए 6 करोड़ रुपए, नई सड़कों के निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपए, इंटरलॉकिंग टाइल वाली सड़कों के लिए 3 करोड़ रुपए, नाइट शेल्टर के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए तथा सीवरेज लाइनों के विस्तार के लिए 1 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा पार्कों के रखरखाव के लिए 15 लाख रुपए, गौशाला एवं आवारा पशुओं की देखभाल के लिए 60 लाख रुपए, सार्वजनिक शौचालयों के लिए 35 लाख रुपए तथा सफाई व्यवस्था को मजबूत करने हेतु मशीनरी खरीदने के लिए 1 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

मेयर सुरिंदर कुमार ने आगे कहा कि नगर निगम होशियारपुर शहरवासियों को 100 प्रतिशत बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़कों, स्वच्छ पेयजल, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज व्यवस्था एवं पार्कों की सुविधा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी समझते हुए समय पर नगर निगम को अपने टैक्स एवं फीस जमा करवाएं, ताकि जनता के पैसे का उपयोग शहर के समग्र विकास और जनहित कार्यों में किया जा सके।

पंजाब सरकार राज्य वासियों की उम्मीदों पर खरी उतरी : मोहिंदर भगत

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के बागबानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवाएं भलाई मंत्री मोहिंदर भगत ने 'शानदार चार साल भगवंत मान दे नाल' मुहिम के तहत आज जालंधर वासियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार सूबे के लोगों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी उतरी है। वार्ड नंबर 51 में अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य के लोग पंजाब सरकार के चार सालों के ईमानदार, पारदर्शी और लोक-हितैषी शासन से बहुत खुश है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार ने न केवल राज्य के लोगों से किए एक-एक वादे पूरे किए है, बल्कि सूबे को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ऐतिहासिक फैसले भी लिए है। भगत ने कहा कि पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करते हुए जहां आम आदमी क्लीनिकों के माध्यम से जनता को मुफ्त गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाई है, वहीं सूबे के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक के नकदरहित इलाज की सुविधा दी जा रही है।

टीम इंडिया का घरेलू सीजन 2026-27 का शेड्यूल जारी, होंगे 22 मैच

स्पोर्ट्स डेस्क. गुरुवार को बीसीसीआई ने टीम इंडिया का घरेलू सीजन 2026-27 के शेड्यूल का ऐलान किया है। भारत घरेलू सीजन में ऑस्ट्रेलिया समेत चार टीमों की मेजबानी करेगा। टीम इंडिया 17 शहरों में 22 इंटरनेशनल मैच खेलेगी। भारत आखिरी बार टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेला था और चैंपियन बना। फिलहाल, वर्तमान में आईपीएल 2026 का आयोजन 28 मार्च से 24 मई तक होगा। इसके बाद भारतीय टीम को जून में घर पर एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलने हैं। भारत को जुलाई में पांच टी20 और तीन वनडे के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाना है। इसके बाद सितंबर-अक्तूबर में भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 की सीरीज खेलेगा। इसमें एक वनडे न्यू चंडीगढ़ में होगा।

फोटो-बीसीसीआई

वहीं, श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच राजकोट, कटक और पुणे में दिसंबर में होंगे। भारत नए साल की शुरुआत जिम्बाब्वे सीरीज से करेगा। जिम्बाब्वे की टीम जनवरी 2027 में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगी। दोनों की भिड़ंत कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में होगी। सीरीज तीन जनवरी से 9 जनवरी तक चलेगी। सीजन का अंत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के साथ होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में टकराएंगे। ये सीरीज 21 जनवरी को नागपुर में शुरू होकर चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में मुकाबले होंगे।

डिप्लोमा विंग के पूर्व छात्रों ने 50 साल की बेहतरीन कामयाबी का जश्न मनाया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीसीईटी) के डिप्लोमा विंग के 1976-79 बैच के इंजीनियर्स ने अपनी गोल्डन जुबली रीयूनियन मनाई, जिसमें 50 साल पूरे होने पर दोस्ती और ऐतिहासिक पलों को साझा करते हुए जश्न मनाया गया। सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल ब्रांच के 32 से ज़्यादा पुराने क्लासमेट्स सी सी ई टी चंडीगढ़ में इकट्ठा हुए, कॉलेज के दिनों को याद किया और अपनी अलग-अलग ज़िंदगी के मक़ामों को याद किया। इस इवेंट में कैंपस लाइफ दिखाने वाला एक "मेमोरी लेन" वीडियो, गुज़र चुके क्लासमेट्स और प्रोफेसर्स के लिए एक श्रद्धांजलि समारोह और एक "गोल्डन गाला" लंच था, जहाँ दोस्तों ने अपडेट्स और मज़ेदार किस्से शेयर किए।

ऑर्गनाइज़िंग कमेटी के मेंबर, इंजीनियर राजेश शर्मा ने कहा, "पचास साल बाद सबको एक साथ देखना हमारे बैच के अस्तित्व कायम रहने के जज़्बे का सबूत है।" उस जश्न ने साबित कर दिया कि समय आगे बढ़ता है, लेकिन यादगार पल हमेशा बने रहते है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.